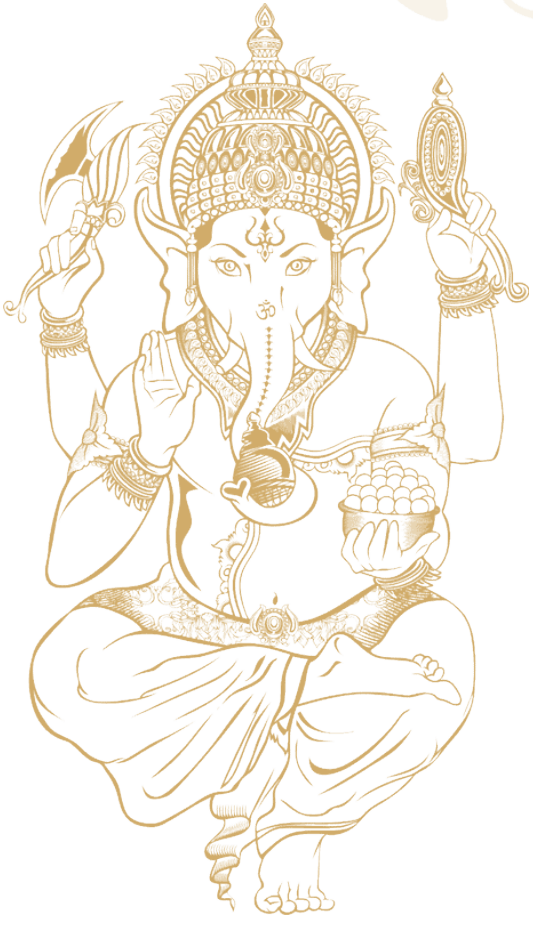

Mr.Nitin Luthra

10 Jan 1976

02:15 AM

Kulti

Model: Varshphal-2017 **Order No: 119874501**

तिथि 10/01/1976 **समय** 02:15:00 **वार** शनिवार **स्थान** Kulti **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:31:33
अक्षांश 23:45:00 उत्तर **रेखांश** 86:50:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:17:20 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	09:46:25 घं
वेलान्तर	00:07:11 घं
सूर्योदय	06:27:00 घं
सूर्यास्त	17:12:00 घं
चैत्रादि संवत	2032
शक संवत	1897
मास	पौष
पक्ष	शुक्ल
तिथि	8
नक्षत्र	रेवती
योग	शिव
करण	बव

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
होरा	बुध
चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी

बुध 1वर्ष 5मा 18दि

मंगल

29/06/2020
29/06/2027

मंगल	25/11/2020
राहु	13/12/2021
गुरु	19/11/2022
शनि	29/12/2023
बुध	25/12/2024
केतु	23/05/2025
शुक्र	24/07/2026
सूर्य	28/11/2026
चन्द्र	29/06/2027

योगिनी

उल्का 0वर्ष 6मा 6दि

संकटा

18/07/2019
18/07/2027

संकटा	27/04/2021
मंगला	17/07/2021
पिंगला	26/12/2021
धान्या	27/08/2022
भ्रामरी	18/07/2023
भद्रिका	26/08/2024
उल्का	26/12/2025
सिद्धा	18/07/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			27:18:48	तुला	विशाखा	3	गुरु	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			25:12:09	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	बुध	मित्र राशि	0.87	अमात्य	पितृ	विपत
चंद्र			28:50:54	मीन	रेवती	4	बुध	शनि	सम राशि	1.09	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल	व		22:00:27	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	सम राशि	1.82	मातृ	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			14:04:19	मक	श्रवण	2	चंद्र	गुरु	सम राशि	1.06	ज्ञाति	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			22:46:11	मीन	रेवती	2	बुध	चंद्र	स्वराशि	1.02	भ्रातृ	धन	जन्म
शुक्र			16:32:20	वृश्चि	अनुराधा	4	शनि	गुरु	सम राशि	1.05	पुत्र	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		06:51:08	कर्क	पुष्य	2	शनि	बुध	शत्रु राशि	1.17	कलत्र	आयु	अतिमित्र
राहु			26:22:49	तुला	विशाखा	2	गुरु	केतु	मित्र राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु			26:22:49	मेष	भरणी	4	शुक्र	केतु	मित्र राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

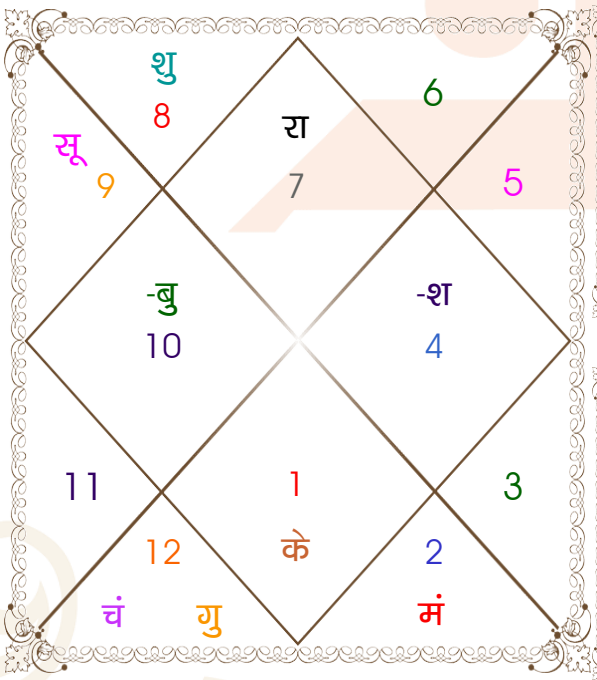

चन्द्र कुंडली

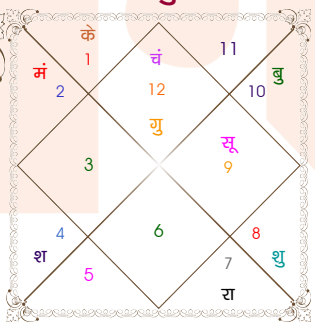

नवमांश कुंडली

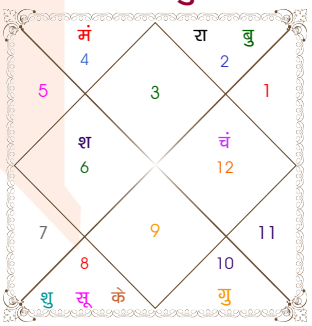

सर्वाष्टकवर्ग

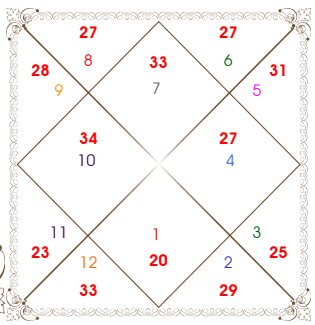

दशमांश कुंडली

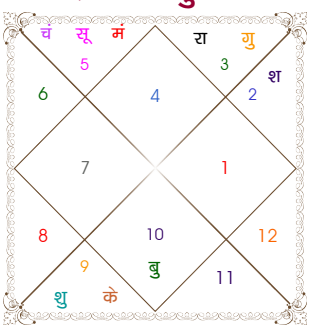

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी जिससे शरीर में दुर्बलता की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्यों तथा मानसिक संकल्पों में अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद का वातावरण विद्यमान रहेगा। स्त्री से भी आपके विशेष मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा आपसी मतभेद उत्पन्न होंगे फलतः दाम्पत्य संबंधों में तनाव रहेगा। इस वर्ष यात्रा यत्न पूर्वक उपेक्षा करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी साथ ही यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है। भौतिक सुख संसाधनों में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मित्र एवं संबंधियों से भी परस्पर तनावपूर्ण संबंध रहेंगे तथा जिससे आपको कोई विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा इसमें समय समय पर अनावश्यक समस्याएं रहेगी तथा लाभ मार्गो में भी बाधाएं आएंगी। अतः ऐसे समय में किसी नवीन कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें परेशानी उत्पन्न होगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को मध्य नजर रखते हुए बुद्धिमता एवं धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी अल्प ही रहेगी। सामाजिक मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की इस वर्ष में न्यूनता रहेगी परन्तु अवसरानुकूल अन्य जन आपके प्रभाव को अवश्य स्वीकार करेंगे। इस समय आपके मन में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय सन्तोष प्रद ही रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य से इस क्षेत्र में आपको असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प परिश्रम पूर्वक ही न्यूनाधिक मात्रा में पूर्ण हो सकते है फिर भी इससे आपको सन्तुष्टि नहीं रहेगी।संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप व्यापार में लाभ एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति संबधी बाधाएं उत्पन्न होंगी परन्तु अन्त में आपको सफलता मिल सकती है लेकिन इससे आपको विशेष प्रसन्नता नहीं होगी। मित्र वर्ग एवं संबधियों से भी परस्पर संबध सामान्य रहेंगे तथा मध्यम रूप से ही उनसे सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख में भी अल्पता रहेगी। अतः ऐसे समय में धैर्य एवं परिश्रम पूर्वक आपको अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

प्रथम मास

09/01/2025 15:52:42 से 08/02/2025 04:06:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:16:28
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:12:09
चन्द्र		मेष	कृतिका	27:07:00
मंगल	व	कर्क	पुष्य	04:39:17
बुध		धनु	मूल	07:12:52
गुरु	व	वृष	रोहिणी	18:12:02
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	12:21:54
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:00:03
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:08:39
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	06:08:39
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:18:48

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

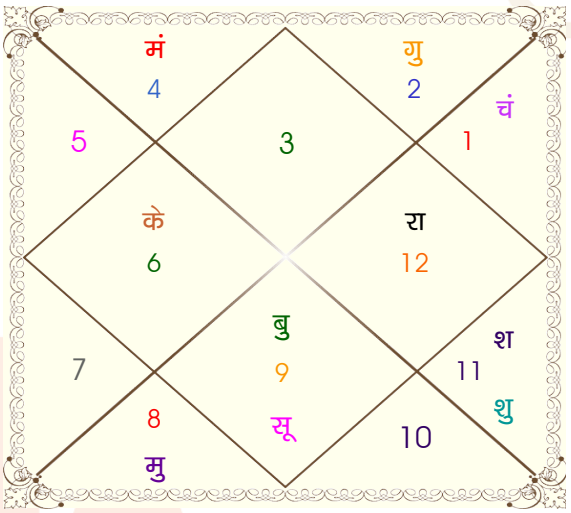

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वितीय मास

08/02/2025 04:06:55 से 09/03/2025 23:26:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:22:45
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	25:12:09
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	28:43:38
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:29:26
बुध		मकर	धनिष्ठा	24:01:52
गुरु		वृष	रोहिणी	17:05:30
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:20:35
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:59:09
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:54:18
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:54:18
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:48:48

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

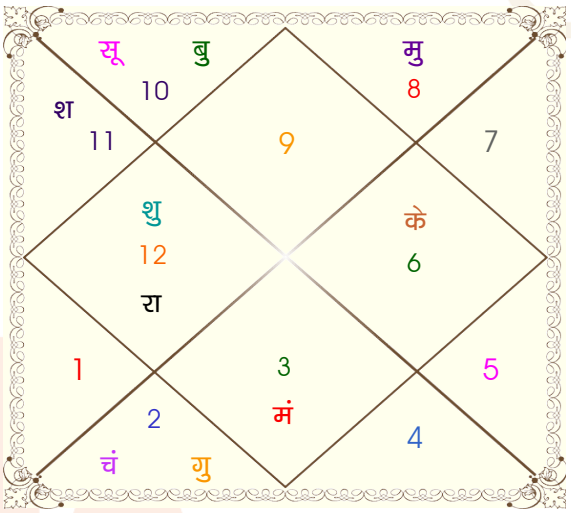

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास
09/03/2025 23:26:45 से 09/04/2025 05:57:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:31:44
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:12:09
चन्द्र		कर्क	पुनर्वसु	03:04:42
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:53:45
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	13:10:57
गुरु		वृष	रोहिणी	18:51:56
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:23:07
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:33:19
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:13:33
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:13:33
मुंथा		धनु	मूल	02:18:48

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

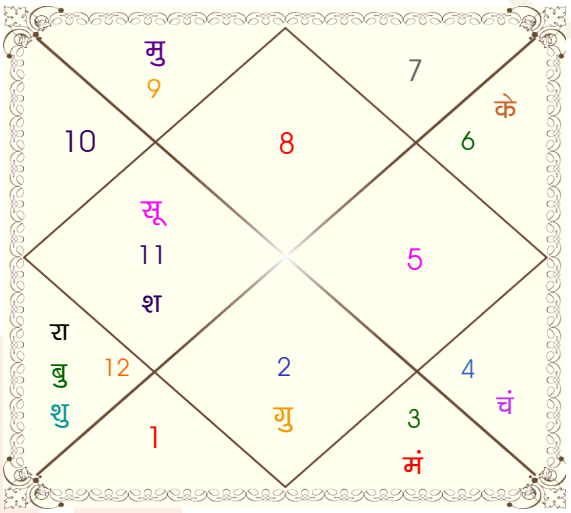

इस महीने में आप अपने उत्साह द्वारा धन को अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप अपने बन्धुओं तथा मित्रों के मध्य उचित प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। साथ ही मिष्ठानोपभोग भी आप अधिक मात्रा में करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं उनको पराजित करने में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं व्यापारादि कार्यों में भी आपको वांछित लाभ प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी अभिवृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में आपको सफलता मिलेगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

चतुर्थ मास
09/04/2025 05:57:56 से 10/05/2025 00:55:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	03:56:41
सूर्य		मीन	रेवती	25:12:09
चन्द्र		सिंह	मघा	11:18:30
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	02:11:44
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	02:43:27
गुरु		वृष	रोहिणी	23:04:13
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:44:30
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:13:43
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:09:11
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:09:11
मुंथा		धनु	मूल	04:48:48

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

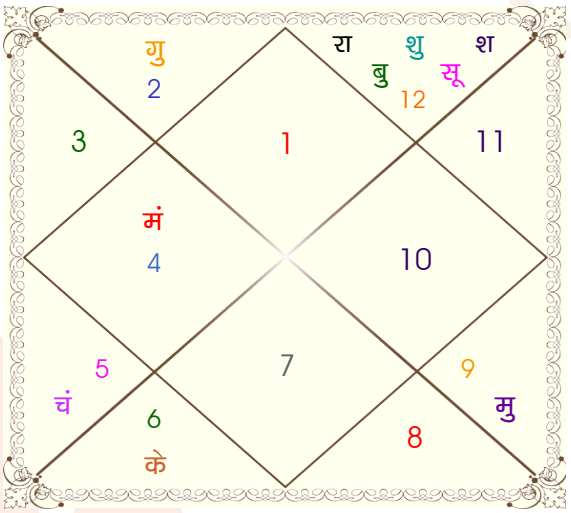

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यकम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास
10/05/2025 00:55:32 से 10/06/2025 06:13:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	04:21:45
सूर्य		मेष	भरणी	25:12:09
चन्द्र		कन्या	चित्रा	23:42:58
मंगल		कर्क	पुष्य	15:32:14
बुध		मेष	अश्विनी	04:37:05
गुरु		वृष	मृगशिरा	28:57:51
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	11:38:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:29:36
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:05:11
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:05:11
मुंथा		धनु	मूल	07:18:48

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

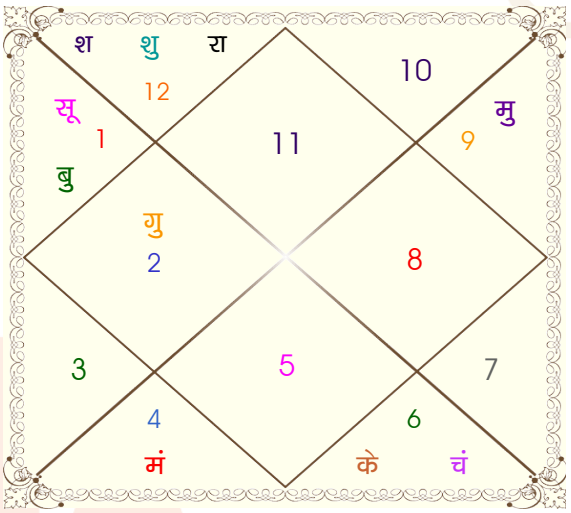

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

षष्ठ मास

10/06/2025 06:13:19 से 11/07/2025 16:47:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	12:24:11
सूर्य		वृष	मृगशिरा	25:12:09
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	10:42:27
मंगल		सिंह	मघा	01:43:42
बुध		मिथुन	आर्द्रा	07:56:40
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	05:49:20
शुक्र		मेष	अश्विनी	09:37:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:48:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:08:51
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:08:51
मुंथा		धनु	मूल	09:48:48

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

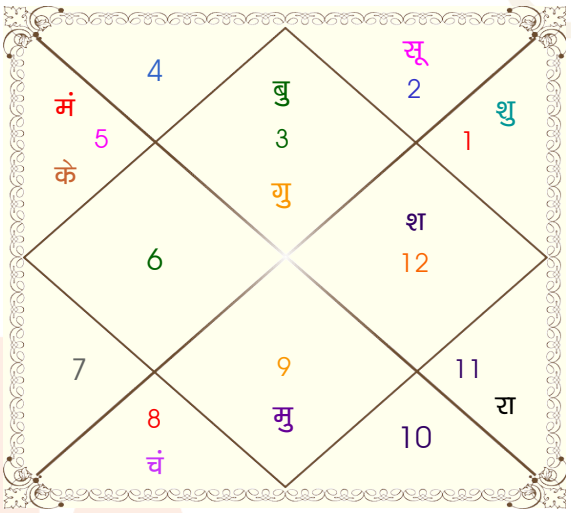

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
11/07/2025 16:47:16 से 12/08/2025 01:58:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	01:01:54
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	25:12:09
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:30:20
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:41:05
बुध		कर्क	आश्लेषा	19:35:42
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	12:58:30
शुक्र		वृष	रोहिणी	13:21:43
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:43:03
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:49:15
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:49:15
मुंथा		धनु	मूल	12:18:48

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

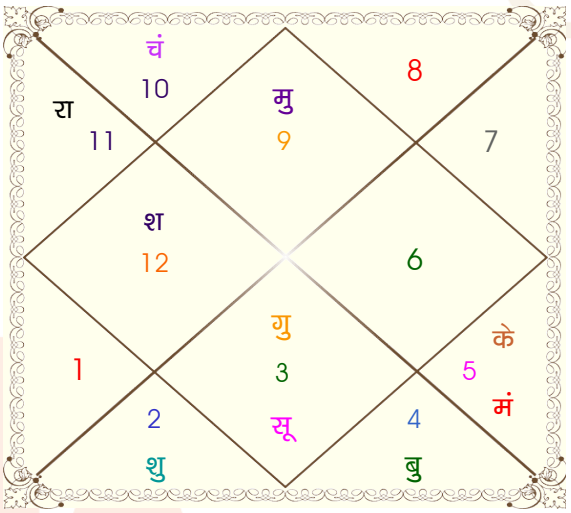

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टम् मास
12/08/2025 01:58:53 से 12/09/2025 03:34:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	10:52:58
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	25:12:09
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:33:09
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:49:59
बुध		कर्क	पुष्य	10:03:01
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:46:11
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	19:24:18
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:59:54
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:16:33
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:16:33
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:48:48

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

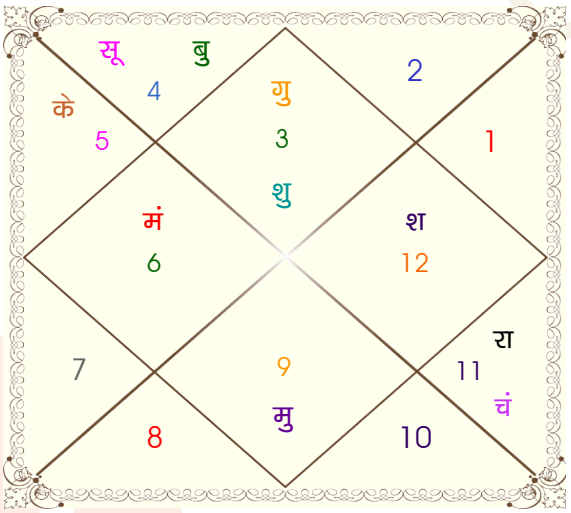

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास
12/09/2025 03:34:19 से 12/10/2025 17:34:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	28:45:40
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:12:09
चन्द्र		मेष	भरणी	21:35:13
मंगल		कन्या	चित्रा	28:50:52
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:48:37
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:31:17
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	26:31:19
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:00:37
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:05
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:05
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:18:48

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

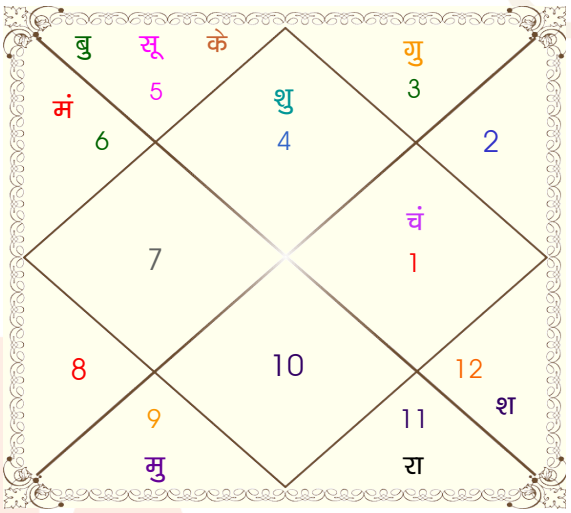

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

दशम् मास
12/10/2025 17:34:13 से 11/11/2025 19:14:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	01:13:43
सूर्य		कन्या	चित्रा	25:12:09
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	09:00:17
मंगल		तुला	स्वाति	19:32:45
बुध		तुला	स्वाति	14:18:58
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:29:07
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:03:51
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:42:25
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:42:22
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:42:22
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:48:48

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

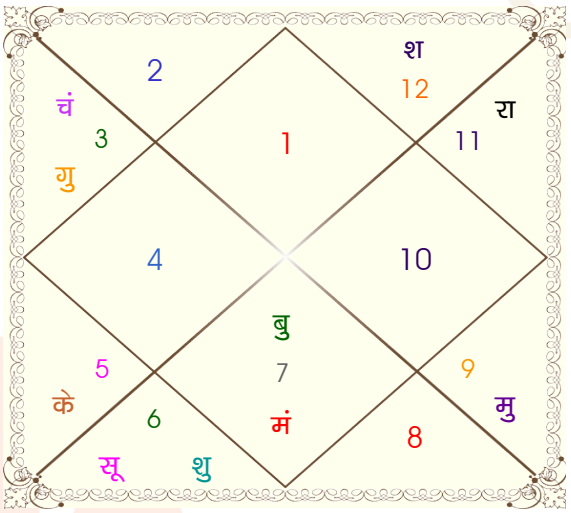

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास
11/11/2025 19:14:36 से 11/12/2025 11:06:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	01:05:40
सूर्य		तुला	विशाखा	25:12:09
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	17:11:40
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	10:50:27
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	12:24:02
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:56:00
शुक्र		तुला	स्वाति	11:34:48
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:10:55
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:55:18
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:55:18
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:18:48

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

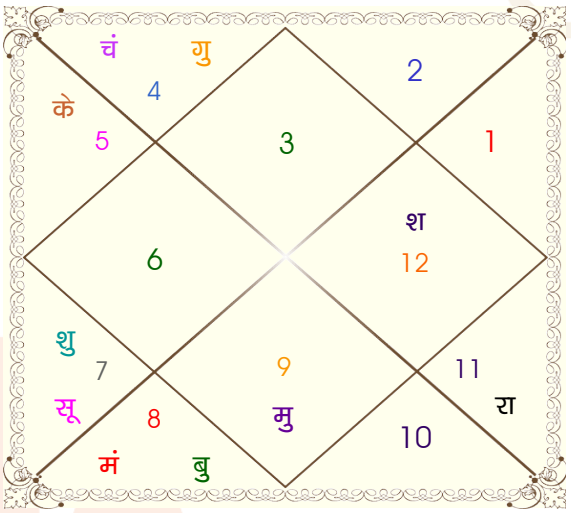

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्ति समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे।अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते है जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

द्वादश मास
11/12/2025 11:06:26 से 09/01/2026 22:06:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	10:46:22
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:12:09
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:48:40
मंगल		धनु	मूल	02:42:32
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	04:54:57
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:30:53
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:50:55
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:05:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:51:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:51:09
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:48:48

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

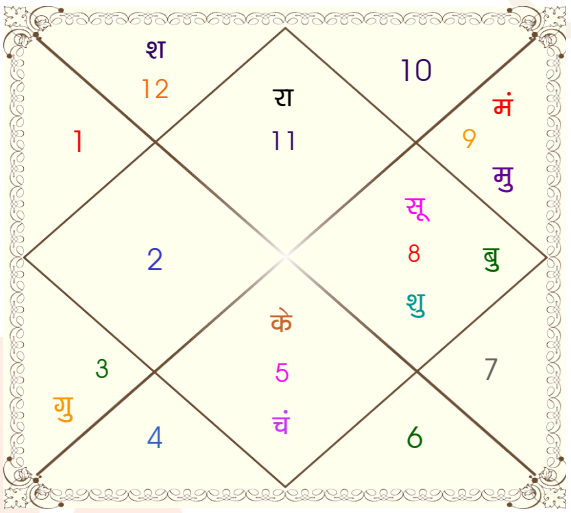

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com